मुयमंत्री ने मां पाटेश्वरी राज्य विश्वविद्यालय की रखी आधारशिला, भूमि पूजन कर किया शिलान्यास

विश्वविद्यालय निर्माण के मास्टर प्लान एवं आर्कीटेक्चर का डीएम ने किया प्रस्तुततिकरण, आर्कीटेक्चर देखकर गदगद हुए मुख्यमंत्री

टी.बी. लाल

बलरामपुर: देश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद बलरामपुर और श्रावस्ती वासियों को करोड़ों की सौगात दी है। मुख्य मंत्री ने राज्य विश्वविद्यालय का विधिवत भूमि पूजन कर राज्य विश्वविद्यालय की आधार शिला रखी । इसके साथ ही जनपद बलरामपुर में 1488.89 करोड़ की लागत की 466 परियोजनाओं का तथा जनपद श्रावस्ती की 260.37 करोड़ लागत की 31 परियोजनाओं का बटन दबाकर लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। भूमि पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने विश्व विद्यालय निर्माण के लिए बनाये गये आर्कीटेक्चर को विधिवत देखा। जिलाधिकारी अरविन्द सिंह ने मुख्यमंत्री को मास्टर प्लान एवं आर्कीटेक्चर के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए डिजाइनिंग, विभिन्न ब्लॉक्स, भवन आदि के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर जन सभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद बलरामपुर में विश्वविद्यालय एक सपने जैसा था, जो कि आज साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय बनने से जहां एक ओर मण्डलवासियों को उच्च शिक्षा मिल सकेगी तो वहीं दूसरी ओर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय में रोजगार परक पाठ्यक्रमों को शामिल किया जाएगा तथा विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा से जोड़ा जाएगा ताकि वे रोजगार पा सकें। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विश्व विद्यालय में अभ्युदय योजनान्तर्गत निःशुल्क कोचिंग का प्रबन्ध सुनिश्चित कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आकांक्षात्मक जनपदों को विकसित जनपदों की श्रेणी में लाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने जनपद बलरामपुर और श्रावस्ती के गौरवशाली इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि जनपद बलरामपुर आदि शक्ति मां पाटेश्वरी का दरबार है तो श्रावस्ती मर्यादा पुरूषोत्तम प्रभु श्रीराम के पुत्र कुश की राजधानी रहा है। उन्होंने कहा

⏩ विश्वविद्यालय एक कल्पना थी, आज वो सपना साकार हुआ : मुख्यमंत्री ⏩ मुख्यमंत्री ने बलरामपुर और श्रावस्ती वासियों को लगभग दो हजार करोड़ लागत की 497 परियोजनाओं की दी सौगात ⏩ होली के पहले सीएम ने जनपदवासियों को मेडिकल कालेज और राज्य विश्वद्यालय के रूप में दिए दो बड़े उपहार ⏩ नव्य और भव्य अयोध्या से जुड़ेगा बलरामपुर और श्रावस्ती : सीएम

कि बलरामपुर पं0 अटल बिहारी वाजपेयी की कर्मस्थली होने के साथ ही राष्ट्र ऋषि नानाजी देसमुख और विदेशी आक्रांताओं का छक्का छुड़ाने वाले महाराजा सुहेलदेव, महात्मा बुद्ध की तपोस्थली और जैन तीर्थंकरों की नगरी है। उन्होंने कहा कि राजनीति का अपराधीकरण किसी भी दशा में नहीं होने दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि उनका संकल्प विकसित भारत का है और इसके लिए अच्छी शिक्षा, रोजगार, उद्योग, जन-जन की सुरक्षा, मजबूत कानून व्यवस्था के लिए वृहद स्तर पर काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देवीपाटन मण्डल के चार जनपदों में से तीन जनपद गोण्डा, बहराइच और अब बलरामपुर में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के लिए मेडिकल कालेज बन गये हैं। उन्होंने कहा कि देवीपाटन मण्डल विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीयत साफ हो तो विकास कार्य तेजी से होते हैं। मुख्यमंत्री ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि फुलवरिया बाईपास, दुल्हिनपुर-बिजलीपुर रिंग रोड, एसएसबी मुख्यालय सहित कई बड़े कार्य जनपद में हुये हैं। विगत वर्षो में जनपद में बाढ़ की विभीषिका के दौरान प्रभावितों को राहत पहुंचाने के लिए शानदार काम किया गया। सरकार द्वारा हर पात्र को मुफ्त राशन, आयुष्मान कार्ड सहित अन्य तमाम योजनाओं को पारदर्शी ढंग से पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में देश विश्व की पांचवी अर्थ व्यवस्था बना है और आने वाले तीन वर्षो में दुनिया की तीसरी अर्थ व्यवस्था बनकर उभरेगा। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस दौरान मुख्यमंत्री जी द्वारा विभिन्न योजनाओं के 12 लाभार्थियों को लाभ का वितरण किया। जिलाधिकारी श्री अरविन्द सिंह ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस दौरान जिलाधिकारी अरविन्द सिंह ने जिले के विकास को लेकर कुछ विशेष प्रस्तावों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जिस पर सहमति प्रदान करते हुए मुख्यमंत्री ने शासन को प्रस्ताव भेजने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान की है। उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी श्री अरविन्द सिंह के विशेष प्रयासों से विश्व विद्यालय निर्माण को लेकर भूमि चिन्हांकन, भूमि खरीद, विश्वविद्यालय का मास्टर प्लान तैयार कराने सहित अन्य सभी कार्य तीव्रगति से पूरे कराये गये जिसकी आधारशिला मुख्यमंत्री द्वारा रखी गई है।

मा. मुख्यमंत्री जी अपने उद्बोधन में रिंग रोड का कार्य प्रारम्भ होने पर प्रसन्नता व्यक्त भी की। उल्लेखनीय हैं कि रिंग रोड निर्माण को लेकर भी जिलाधिकारी द्वारा उच्च स्तर पर विशेष किये गये तथा स्वीकृति में आने वाली हर समस्या को दूर कराया गया। इस दौरान उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय, आबकारी एवं मद्य निषेध/प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार रजनी तिवारी, विधायक सदर पल्टूराम, विधायक उतरौला राम प्रताप वर्मा, विधायक तुलसीपुर कैलाशनाथ शुक्ल, विधायक श्रावस्ती राम फेरन पाण्डेय, सदस्य विधान परिषद अवधेश कुमार उर्फ मंजू सिंह, एमएलसी पद्सेन चौधरी, एमएलएसी डा. प्रज्ञा त्रिपाठी, एमएलसी साकेत मिश्र, सचिव उच्च शिक्षा एम.पी. अग्रवाल, अन्य अधिकारीगण तथा जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शिकायतकर्ता 'पुलिस के लिए' दुधारु गाय

खुलेआम थानों पर लूट रकम दे जाव तो छूट : ना दादा ना भैया सबसे बड़ा रुपया

बबलू सिंह अंगारा

रायबरेली। न दादा ना भैया सबसे बड़ा रुपया इस कहावत को इन दिनों जिले की पुलिस चरितार्थ कर रही है। दरअसल पुलिस कुछ इस कदर शिकायत कर्ताओं पर मेहरबान हूई है कि मानो शिकायत कर्ता पुलिस के लिए दुधारु गाय हो, जैसे ही कोई शिकायत पुलिस तक पहुंची कि बीट के सिपाही तुरंत एक्शन मोड़ पर होते हैं और आईपीसी की विभिन्न धाराओं का हवाला देकर आरोपितों को धमकाने में जुट जाते हैं। फिर शुरु होता बार्गेनिंग, मुकदमा लिखने के पहले मान डोली तय होती है कही क्षेत्रीय दरोगा को देना तों दरोगा थानेदार के नाम और थानेदार सीओ के नाम, जैसी शिकायत वैसी रकम की बढ़ोतरी की जाती है।

यह खेल लगभग जिले के समस्त थानों पर खुले आम चल रहा है जिन धाराओं में गिरफ्तारी भी नहीं यहा तक की मुकदमा भी नहीं दर्ज होते है सिर्फ शिकायत पर ही पुलिस आरोपितों को पड़कर थाने पर बैठा देती है जबकि उसे पुलिस जेल भी नहीं भेज सकती सिर्फ धारा 151 में चलान कर सकती हैं लेकिन थाने पर बैठा देने से रकम की बढ़ोतरी और डील असानी हो जाती है अब पुलिस से बचना है तो दलालों या थाने की सेटिंग बाज सिपाहियों या क्षेत्रीय दरोगाओं से डील करना मजबूरी होती है। अगर अच्छी रकम मिल गई तो शिकायतकर्ता को बुलवाकर सुलह समझौता करा दिया जाता अन्यथा की दशा में 151 की कार्रवाई तय है।

अगर शिकायतकर्ता की तहरीर में अन्य कोई बड़ी धराएं बढ़ने की स्थिति होती है तो उसे 151 की धारा मे तब्दील करने के लिए मोटी रकम की वसूली की जाती है। सूत्रों की माने तो कुछ थानो में तो दरोग़ा और बीट सिपाहियों ने रकम तय कर रखी है, जिसमें रकम लेने के दौरान अपने से ऊपर पुलिस अधिकारियों तक रकम पहुंचाने का हवाला दिया जाता है। भरोसे मंद सूत्र बताते हैं जिस राजस्व मामले में पुलिस को कोसों दूर रखा गया है उसमें पुलिस और अधिक मोटी रकम लेकर शिकायतकर्ता की मददगार बनती है।

खीरों में ताबड़तोड़ चोरियां

रायबरेली। खीरों थाना क्षेत्र में इन दिनों चोरी की वारदातों ने कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर दिया है। कुछ दिनो के अंतर्गत क्षेत्र में लगातार चोरी की वारदात हुई लेकिन खुलासा किसी का नहीं हो सका। ताजा मामला तेवारिन खेड़ा मजरे खजुहा गांव का है उपरोक्त गांव निवासिनी शांति पत्नी राज बहादुर ने बताया कि बीती गुरुवार की रात आधा दर्जन अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर मारपीट की और घर में रखें जेवरात व नकदी उठा ले गए। थानेदार देवेन्द्र भदौरिया का कहना है की जल्द चोरी का खुलासा किया जाएगा।

एलएलबी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 18 मार्च से होगी शुरू

अयोध्या: डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की एलएलबी त्रि-वर्षीय व पंचवर्षीय प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 18 मार्च से शुरू होकर 28 मार्च तक चलेगी। सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में नकलविहिन परीक्षा कराने के लिए सात जनपदों में कुल 12 केन्द्र बनाये गए जिनमें 37 लॉ कालेजों की एलएलबी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा होगी। इस परीक्षा में 6500 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा नियंत्रक उमानाथ व मीडिया प्रभारी डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि कुलपति के निर्देश पर 18 मार्च से एलएलबी त्रि-वर्षीय व पंचवर्षीय प्रथम सेमेस्टर परीक्षा शुरू होगी। यह परीक्षा अयोध्या, सुल्तानपुर, अमेठी, गोण्डा, बाराबंकी, अम्बेडकरनगर व बहराइच जिलों में 28 मार्च तक चलेगी। केन्द्रो पर अपराह्न दो बजे से सांय पांच बजे तक परीक्षा कराई जायेगी। इस परीक्षा में 6500 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

..तो लाइंड मर्डर का पुलिस ने किया खुलासा

सरसों के खेत में रंगरेलियां मना रही युवती के दो प्रेमियों ने युवती के चाचा को उतरा था मौत के घाट

तेजयुग न्यूज

रायबरेली। कहते की अपराध चाहे जितना बड़ा हो लेकिन अपराधी कानून की चंगुल में जरूर आता है। एक ऐसे ही ब्लाइंड मर्डर का खुलासा शिवगढ़ पुलिस ने किया है जिसमें हवस की चाहत में एक युवती ने अपने दो प्रेमियों के साथ मिलकर चाचा को ही मौत के घाट उतार दिया था जिसकी लाश सरसों के खेतों में पाई गई थी।

पुलिस के मुताबिक घटना 12 मार्च की है उपरोक्त मामले का खुलासा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक नवीन कुमार सिंह ने मीडिया को बताया कि शिवगढ़ थाना क्षेत्र के गंगाखेडा गांव के एक खेत में सहज राम नामक युवक की लाश बरामद की गई थी। प्रथम दृष्टया में उसकी हत्या की बात सामने आई थी जिस पर संबंधित धाराओं में अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू किया गया। इस दौरान

चौंकाने वाले मामले सामने आए।

अपर एसपी ने बताया कि मृतक की भतीजी सक के दायरे आई जिसके कई लोगों के साथ अवैध संबंध की बात सामने आई पुलिस ने गांव के ही कुछ नव युवकों के नंबर सीडीआर एनालिसिस की तो युवती के नंबर से इन पर अलग अलग समय पर बात होती रही है। कई युवकों को उठाया लेकिन उन लोगों ने प्रेम संबंध की दायरे में बात तो कुबूल की लेकिन हत्या में शामिल होने से इंकार कर दिया। अंत में पुलिस ने युवती को ही उठा लिया जो पुलिसिया पूछताछ में टूट गई। युवती ने बताया कि उसके गांव के अलावा दूर दराज़ के कुछ युवकों से भी प्रेम संबंध हैं। उन्हीं में से बछरावां थाना इलाके के रहने वाले संजीव और हर्षित भी शामिल हैं। हत्या वाली रात दोनों उससे मिलने आये थे।

गांव के पास ही सरसों के खेत में जब तीनों आपत्तिजन स्थिति में थे तभी युवती का चाचा सहज राम निकला। सहज राम को कुछ शक हुआ तो उसने खेतों में मोबाइल की रोशनी मार दी जहां उसने भतीजी और दो अन्य युवकों को आपत्तिजन हालत में देख लिया। राज खुलने की डर से युवती ने अपने प्रेमियों को उकसा दिया जिससे तीनों मिलकर सहज राम की गला दबाकर हत्या कर दी और शव छोड़कर फरार हो गए थे। तीनों हत्यारोपियों को पुलिस ने जेल भेज दिया है।

मनरेगा मजदूरों को पारिश्रमिक न मिलने से दाने दाने को मोहताज

विकास खंड उतरौला के मनरेगा मजदूरों का लगभग तीन करोड़ है बकाया

आलोक गुप्ता

उतरौला (बलरामपुर) : आने वाले त्योहार होली व ईद उल फितर को मनाने के लिए मनरेगा कर्मियों के परिवार दाने-दाने को तरस रहे हैं। मनरेगा मजदूरों को विगत 9 माह से मजदूरी न मिल पाने के कारण उनके परिवार आने वाले त्योहारों को उत्साह पूर्वक नहीं मना पाएंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकास खण्ड उतरौला के मनरेगा मजदूरों का एक करोड़ 60 लाख रुपए की मजदूरी व निर्माण सामग्री का एक करोड़ 50 लाख रुपए का भुगतान बजट में धन के अभाव में नहीं हो सका। मनरेगा मजदूरों को मजदूरी न मिलने से मजदूर व उसके परिवार भुखमरी के कगार पर है। धन प्राप्ति के लिए आपूर्तिकर्ता विकास खण्ड उतरौला कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं।

बताते चलें कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के तहत गांव के गरीब मजदूरों को काम मिले जिससे वे पलायन न कर सके। इसको रोकने के लिए सरकार ने गांव में ही सौ दिन का रोजगार देने की गारंटी दे रखी है और उनके मजदूरी का भुगतान तत्काल करने का आदेश दे रखा है। विकास खण्ड उतरौला क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों में सरकार ने? तमाम विकास योजनाओं में मनरेगा के पंजीकृत मजदूरों से मजदूरी कराई। मनरेगा मजदूरों से मजदूरी कराने के बाद बीते जुलाई माह से मजदूरों के मजदूरी का भुगतान सरकार ने नहीं किया। मनरेगा मजदूरों की मजदूरी का भुगतान न होने से मजदूरों का मनरेगा से मोह भग हो गया है और तमाम मनरेगा मजदूर जीविका चलाने के लिए शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं।

मनरेगा मजदूरी व विकास के लिए खरीदे गए निर्माण सामग्री का भुगतान न होने पर ग्राम प्रधान, मनरेगा मजदूरों व कर्मचारियों ने समय समय पर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की लेकिन वित्तीय वर्ष बीतने के अन्तिम दिनों तक मनरेगा मजदूरों व निर्माण सामग्री का भुगतान नहीं हो सका। खण्ड विकास अधिकारी उतरौला संजय कुमार ने बताया कि विकास खण्ड उतरौला क्षेत्र में मनरेगा मजदूरों व निर्माण सामग्री का तीन करोड़ दस लाख रुपए का भुगतान होना है। इसके भुगतान के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। इसका बजट मिलते ही भुगतान करा दिया जाएगा। मनरेगा में बजट न होने से इससे जुड़े रोजगार सेवक, तकनीकी सहायक, कम्प्यूटर लिपिक, लेखा अधिकारी को नौ माह से वेतन नहीं मिला है।

विधायक के जन्मदिन पर बीडीओ ने किया रक्तदान

आलोक गुप्ता

अयोध्या : रुदौली विधायक रामचंद्र यादव के जन्मदिन पर स्वास्थ्य शिविर में रक्तदान कर रहे हैं। विधायक के जन्मदिन पर बधाई देने पहुँचे मवई ब्लाक के युवा खण्ड विकास अधिकारी अनुपम वर्मा ने युवाओं को प्रेरणा देते हुए स्वयं एक यूनिट रक्तदान किया। रुदौली की एसडीएम अंशिका दीक्षित, तहसीलदार राजेश वर्मा, बीडीओ रुदौली अखिलेश गुप्ता सहित ब्लाक के कर्मचारी अंकुर यादव, लालजी चौरसिया, जितेंद्र तिवारी भी मौजूद रहे। इस दौरान केजीएमयू के ब्लड बैंक द्वारा बीडीओ को विधायक के हाथों से प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया।

युवाओं को प्रेरित करते हुए बीडीओ अनुपम वर्मा ने कहा कि युवा वर्ग को यह समझना होगा कि किसी भी खुशी के मौके पर फिजूल खर्ची करने की बजाए रक्तदान जैसे समाजहित के कार्य को करना चाहिए, जिससे अन्य लोगों का भला हो सके तथा यह सबका कर्तव्य है कि युवा वर्ग को समाजहित के कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदार बनने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि रक्तदान किसी एक व्यक्ति की जान को तो बचाता ही है बल्कि साथ-साथ में कुछ व्यक्ति के जीवन से जुड़े अन्य परिवारजनों की आशाओं को भी जीवित रखता है। यह किसी भी रक्तदाता को पता नहीं होता कि उसके द्वारा दान किया गया रक्त कितने जरूरतमंद व्यक्ति को मिल रहा है। इस अवसर पर विधायक रामचंद्र यादव ने कहा कि एक यूनिट रक्त तीन व्यक्तियों की जान बचा सकता है। इससे ज्यादा पुण्य का कार्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसी स्थिति देखने में आती है, जिसमें खासतौर पर गर्भवती महिलाएं शामिल होती है, जिनके अंदर रक्त की भारी कमी पाई जाती है तथा डिलीवरी के समय उन्हें रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में एक-एक रक्तदाता महत्वपूर्ण हो जाता है।

वर्ल्ड स्लीप डे पर डॉ. ने शुगर एवं बीपी के मरीजों को दिया जरूरी सुझाव

तेजयुग न्यूज

अयोध्या : नींद का महत्व समझाने और नींद से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को दूर करने के मकसद से वर्ल्ड स्लीप डे मनाया जाता है। यह हर वर्ष मार्च माह के तीसरे शुक्रवार को मनाया जाता है।

वर्ल्ड स्लीप डे पर कलावती मेडिकल सेन्टर के प्रभारी व जिला अस्पताल में फिजिशियन डॉ. वीरेंद्र वर्मा ने बताया कि शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए जितना जरूरी है अच्छा खाना, उतना ही जरूरी है नींद पूरी होना। आज हमारी जैसी लाइफस्टाइल हो गई है, उसमें शायद ही कोई व्यक्ति होगा जो अपनी नींद पूरी कर पाता है।

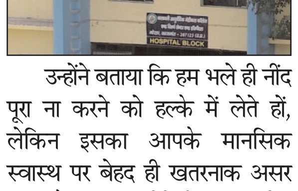

उन्होंने बताया कि हम भले ही नींद पूरा ना करने को हल्के में लेते हों, लेकिन इसका आपके मानसिक स्वास्थ पर बेहद ही खतरनाक असर पड़ता है। पूरी नींद लेने से आपका ब्रेन सही तरीके से काम करता है। वहीं, अगर आप अधूरी नींद ले रहे हैं तो आपके स्वभाव में चिड़चिड़ापन, गुस्सा और थकान रहती है। इसी के साथ जब आपका ब्रेन सही तरीके से काम नहीं करता है आप कोई भी निर्णय सही से नहीं ले पाते। इसका असर आपकी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ पर पड़ता है। अगर आप जीवन में सफल होना चाहते हैं तो खुद की नींद पर ध्यान देना शुरू कर दें। इसी को लेकर हर साल मार्च के तीसरे शुक्रवार को 'वर्ल्ड स्लीप डे' मनाया जाता है। नींद से जुड़ी इन समस्याओं से बचाव के लिए वर्ल्ड स्लीप सोसाइटी ने स्लीप डे की शुरुआत की थी। सबसे पहले साल 2008 में इस दिन को मनाया गया। वहीं, वर्तमान में दुनियाभर के 88 से ज्यादा देशों में 'वर्ल्ड स्लीप डे' मनाया जाता है।

विद्युत विभाग ने अभियान चलाकर वसूला एक लाख से अधिक बकाया

मिल्कीपुर-अयोध्या : विद्युत उपकेंद्र शाहगंज के सारी फीडर अंतर्गत मेहदौना गांव में विद्युत विभाग की टीम ने 27 बड़े बिजली बिल के बकायेदारों का केबल विद्युत पोल से काट दिया। सोमवार को दिन में चलाए गए सघन चेकिंग अभियान के दौरान विद्युत उपभोक्ताओं के कनेक्शन व मीटरों की जांच करते हुए उनके बकाया बिलों को जमा कराया गया।अभियान के दौरान 68 उपभोक्ताओं से 176000 रूपये का बकाया विद्युत बिल वसूला गया। अभियान में 10000 से अधिक बकाया बिल वाले बकायेदारों की बिजली काटी गई।

मनरेगा मजदूरों को पारिश्रमिक न मिलने से दाने दाने को मोहताज

विकास खंड उतरौला के मनरेगा मजदूरों का लगभग तीन करोड़ है बकाया

आलोक गुप्ता

उतरौला (बलरामपुर) : आने वाले त्योहार होली व ईद उल फितर को मनाने के लिए मनरेगा कर्मियों के परिवार दाने-दाने को तरस रहे हैं। मनरेगा मजदूरों को विगत 9 माह से मजदूरी न मिल पाने के कारण उनके परिवार आने वाले त्योहारों को उत्साह पूर्वक नहीं मना पाएंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकास खण्ड उतरौला के मनरेगा मजदूरों का एक करोड़ 60 लाख रुपए की मजदूरी व निर्माण सामग्री का एक करोड़ 50 लाख रुपए का भुगतान बजट में धन के अभाव में नहीं हो सका। मनरेगा मजदूरों को मजदूरी न मिलने से मजदूर व उसके परिवार भुखमरी के कगार पर है। धन प्राप्ति के लिए आपूर्तिकर्ता विकास खण्ड उतरौला कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं।

बताते चलें कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के तहत गांव के गरीब मजदूरों को काम मिले जिससे वे पलायन न कर सके। इसको रोकने के लिए सरकार ने गांव में ही सौ दिन का रोजगार देने की गारंटी दे रखी है और उनके मजदूरी का भुगतान तत्काल करने का आदेश दे रखा है। विकास खण्ड उतरौला क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों में सरकार ने? तमाम विकास योजनाओं में मनरेगा के पंजीकृत मजदूरों से मजदूरी कराई। मनरेगा मजदूरों से मजदूरी कराने के बाद बीते जुलाई माह से मजदूरों के मजदूरी का भुगतान सरकार ने नहीं किया। मनरेगा मजदूरों की मजदूरी का भुगतान न होने से मजदूरों का मनरेगा से मोह भग हो गया है और तमाम मनरेगा मजदूर जीविका चलाने के लिए शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं।

मनरेगा मजदूरी व विकास के लिए खरीदे गए निर्माण सामग्री का भुगतान न होने पर ग्राम प्रधान, मनरेगा मजदूरों व कर्मचारियों ने समय समय पर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की लेकिन वित्तीय वर्ष बीतने के अन्तिम दिनों तक मनरेगा मजदूरों व निर्माण सामग्री का भुगतान नहीं हो सका। खण्ड विकास अधिकारी उतरौला संजय कुमार ने बताया कि विकास खण्ड उतरौला क्षेत्र में मनरेगा मजदूरों व निर्माण सामग्री का तीन करोड़ दस लाख रुपए का भुगतान होना है। इसके भुगतान के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। इसका बजट मिलते ही भुगतान करा दिया जाएगा। मनरेगा में बजट न होने से इससे जुड़े रोजगार सेवक, तकनीकी सहायक, कम्प्यूटर लिपिक, लेखा अधिकारी को नौ माह से वेतन नहीं मिला है।